SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Visual Artist (Painter)

विज़ुअल आर्टिस्ट (चित्रकार) एक फाइन आर्टिस्ट होता है जो पेंटिंग, ड्राइंग, मिश्रित माध्यम (मिक्स्ड मीडिया) और समकालीन कला के ज़रिए अपने विचार, भावनाएँ और दृष्टिकोण रंगों और रेखाओं में व्यक्त करता है। वह कैनवास, कागज़ या दीवार पर...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/visual-artist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

विज़ुअल आर्टिस्ट (चित्रकार) एक फाइन आर्टिस्ट होता है जो पेंटिंग, ड्राइंग, मिश्रित माध्यम (मिक्स्ड मीडिया) और समकालीन कला के ज़रिए अपने विचार, भावनाएँ और दृष्टिकोण रंगों और रेखाओं में व्यक्त करता है। वह कैनवास, कागज़ या दीवार पर तेल, एक्रेलिक, जल-रंग, स्याही आदि से मौलिक कलाकृतियाँ बनाता है, गैलरियों व प्रदर्शनियों में उन्हें दिखाता है, संग्राहकों को बेचता है, तथा भित्ति-चित्र (म्यूरल), चित्रण (इलस्ट्रेशन) और कमीशन-आधारित काम भी करता है। यह रचनात्मक, स्वतंत्र और आत्म-अभिव्यक्ति से भरा करियर है जिसमें पहचान और आय अनुभव, कौशल तथा कला-बाज़ार में नाम बनने के साथ बढ़ती है — पर शुरुआत में आय अनियमित रहती है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं के बाद बीएफए (पेंटिंग); कला में मज़बूत पोर्टफोलियो
कोर्स अवधि	बीएफए 4 वर्ष + एमएफए 2 वर्ष (वैकल्पिक)
आरंभिक वेतन	₹12,000–25,000/माह (अनियमित, बिक्री-आधारित)
कार्य-शैली	स्वतंत्र कला-अभ्यास; गैलरी, इलस्ट्रेशन व शिक्षण भी

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- रंग, रेखा, रूप और दृश्य रचना में गहरी रुचि
- प्रयोग करना, नई शैली व माध्यम आज़माना पसंद
- अपने विचार और भावनाएँ कला से व्यक्त करने की चाह

क्षमताएँ

- मौलिक कल्पना और रचनात्मक सोच
- धैर्य, आत्म-अनुशासन और लंबे प्रोजेक्ट पर टिके रहना
- हाथ की सफ़ाई, रंग-संयोजन और बारीक़ निरीक्षण की समझ

ज़रूरी कौशल

- ड्राइंग, स्केचिंग और रचना (कम्पोज़िशन) के मूल सिद्धांत
- रंग सिद्धांत, प्रकाश-छाया और परिप्रेक्ष्य (पर्सपेक्टिव)
- तेल, एक्रेलिक, जल-रंग व मिश्रित माध्यम में पेंटिंग तकनीक
- अपनी विशिष्ट शैली और कला-भाषा विकसित करना

- पोर्टफोलियो बनाना, कलाकृति की फ़ोटोग्राफ़ी व प्रस्तुति
- डिजिटल टूल्स से इलस्ट्रेशन व सोशल मीडिया पर प्रचार
- प्रदर्शनी, गैलरी संपर्क, मूल्य-निर्धारण व कला-विपणन

4 कैसे पहुँचें

1. स्कूल के दिनों से ही नियमित ड्राइंग-पेंटिंग का अभ्यास करें और एक पोर्टफोलियो बनाना शुरू करें।
2. 12वीं के बाद किसी मान्यता प्राप्त कला संस्थान में बैचलर ऑफ़ फाइन आर्ट्स (बीएफए – पेंटिंग/विज़ुअल आर्ट) में प्रवेश लें।
3. प्रवेश परीक्षा और पोर्टफोलियो/एप्टीट्यूड टेस्ट (जैसे राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट, एमएसयू बड़ौदा) की तैयारी करें।
4. पढ़ाई के दौरान समूह प्रदर्शनियों, कला शिविरों और प्रतियोगिताओं में भाग लें।
5. गहन विशेषज्ञता व नेटवर्क के लिए एमएफए (पेंटिंग) करें, यह वैकल्पिक पर सहायक है।
6. गैलरियों से जुड़ें, एकल/समूह प्रदर्शनियाँ करें और कमीशन, इलस्ट्रेशन व शिक्षण से आय के स्रोत बनाएँ।

प्रमुख परीक्षाएँ

- बीएफए प्रवेश परीक्षा एवं ड्राइंग/एप्टीट्यूड टेस्ट व पोर्टफोलियो साक्षात्कार (संस्थान अनुसार)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट (Rajasthan School of Art) — जयपुर, राजस्थान (https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcrsajaipur)
- कॉलेज ऑफ़ आर्ट, दिल्ली (College of Art) — नई दिल्ली (https://colart.delhi.gov.in/)
- फैकल्टी ऑफ़ फाइन आर्ट्स, एमएस यूनिवर्सिटी बड़ौदा — वडोदरा, गुजरात (https://msubaroda.ac.in/academics/FFA)
- कला भवन, विश्व-भारती (Kala Bhavana, Santiniketan) — शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल (https://www.visvabharati.ac.in/KalaBhavana.html)
- सर जे. जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट (Sir J.J. School of Art) — मुंबई, महाराष्ट्र (https://en.wikipedia.org/wiki/Sir_J._J._School_of_Art)

निजी संस्थान

- एमिटी स्कूल ऑफ़ फाइन आर्ट्स (BFA) — जयपुर, राजस्थान (https://collegedunia.com/university/25797-amity-university-jaipur/bachelor-of-fine-arts-bfa-201)
- आर्च कॉलेज ऑफ़ डिज़ाइन एंड बिज़नेस — जयपुर, राजस्थान (https://www.archedu.org/)

ऑनलाइन

- ललित कला अकादमी – कम्युनिटी स्टूडियो (पेंटिंग) — नई दिल्ली / क्षेत्रीय केंद्र (https://lalitkala.gov.in/)
- स्किल इंडिया डिजिटल हब – कला व शिल्प कोर्स — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी कला संस्थानों (राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट, कॉलेज ऑफ़ आर्ट दिल्ली, कला भवन) में बीएफए की फीस बहुत कम — लगभग ₹5,000–25,000 प्रति वर्ष — होती है। निजी विश्वविद्यालयों में बीएफए की फीस लगभग ₹60,000–1,50,000 प्रति वर्ष तक हो सकती है। रंग, कैनवास व सामग्री का ख़र्च अलग से जोड़ना पड़ता है।

छात्रवृत्तियाँ

- ललित कला अकादमी स्कॉलरशिप (संस्कृति मंत्रालय) (https://lalitkala.gov.in/scholarship)
- संस्कृति मंत्रालय – कला हेतु स्कॉलरशिप/फेलोशिप (https://www.indiaculture.gov.in/scholarships-fellowships)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study – Arts Scholarships & Fellowships (https://www.buddy4study.com/article/top-arts-scholarships-fellowships-indian-students)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

अपना स्टूडियो या घर का स्टूडियो, कला गैलरियाँ, आर्ट फ़ेयर व प्रदर्शनी स्थल, विज्ञापन व प्रकाशन के इलस्ट्रेशन स्टूडियो, स्कूल-कॉलेज व कला शिविर, तथा दीवारों/म्यूरल के लिए सार्वजनिक स्थल।

कार्य-संस्कृति

अधिकांश चित्रकार स्वतंत्र (फ्रीलांस) होते हैं और अपने घंटे स्वयं तय करते हैं — काम अकेले, शांत और लंबे सत्रों वाला होता है। आय परियोजना व बिक्री पर निर्भर होने से अनियमित रहती है, इसलिए कई कलाकार शिक्षण, इलस्ट्रेशन या कमीशन के साथ इसे संतुलित करते हैं। इस क्षेत्र में महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए भी समान अवसर हैं।

कौन नौकरी देता है

- स्वयं का कला-अभ्यास — गैलरियों व संग्राहकों को कलाकृति बेचना
- विज्ञापन एजेंसियाँ, प्रकाशन गृह व इलस्ट्रेशन स्टूडियो
- होटल, कॉर्पोरेट व सार्वजनिक निकाय — म्यूरल व कमीशन कार्य
- कला गैलरियाँ, आर्ट फ़ाउंडेशन, नीलामी घर व क्यूरेटर
- स्कूल, कॉलेज व कला संस्थान (कला शिक्षक के रूप में)
- एनजीओ, संग्रहालय व सांस्कृतिक संगठन (ललित कला अकादमी आदि)

माँग (2026)

भारत का कला बाज़ार लगातार बढ़ रहा है — नई गैलरियाँ, ऑनलाइन आर्ट प्लेटफ़ॉर्म, इंटीरियर डिज़ाइन, होटल व कॉर्पोरेट सजावट तथा भित्ति-चित्र (म्यूरल) परियोजनाओं से मौलिक चित्रकला की माँग बनी हुई है। साथ ही इलस्ट्रेशन, डिजिटल आर्ट और कला-शिक्षण में भी अवसर हैं। हालाँकि प्रतिस्पर्धा अधिक है और स्थापित होने में समय लगता है, इसलिए यह धैर्य व निरंतर अभ्यास माँगता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कला विद्यार्थी / उभरता कलाकार (बीएफए के दौरान व बाद)
2. स्वतंत्र चित्रकार — समूह प्रदर्शनियाँ व कमीशन
3. स्थापित कलाकार — नियमित एकल प्रदर्शनियाँ व गैलरी प्रतिनिधित्व
4. प्रख्यात/वरिष्ठ कलाकार — राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान, पुरस्कार व ऊँची कीमत

कमाई

शुरुआत	₹12,000–25,000/माह
मध्य स्तर	₹30,000–70,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹1,00,000–5,00,000+/माह

चित्रकार की आय ज़्यादातर कलाकृति की बिक्री, कमीशन और परियोजनाओं पर निर्भर करती है, इसलिए शुरुआत में यह अनियमित रहती है — कुछ महीनों में अच्छी बिक्री, कुछ में बहुत कम। सैलरीएक्सपर्ट के अनुसार भारत में पेंटर-आर्टिस्ट का औसत वेतन लगभग ₹8.7 लाख/वर्ष (~₹73,000/माह) आँका गया है, पर यह मुख्यतः वेतनभोगी/शिक्षण भूमिकाओं का आँकड़ा है। शिक्षण, इलस्ट्रेशन व कमीशन आय को स्थिर करते हैं; स्थापित व प्रख्यात कलाकारों की एक-एक कृति लाखों में बिकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- पूरी रचनात्मक स्वतंत्रता और आत्म-अभिव्यक्ति का करियर
- स्वयं का बॉस — अपने समय व शैली पर नियंत्रण
- पहचान बनने पर मान-सम्मान, पुरस्कार व ऊँची कीमत की संभावना

चुनौतियाँ

- शुरुआत में आय अनियमित और अनिश्चित रहती है
- बहुत प्रतिस्पर्धा — स्थापित होने में वर्षों लग सकते हैं
- अकेले, लंबे घंटों का काम और अस्वीकृति का सामना

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Ram Gopal Vijayvargiya
राजस्थान के अग्रणी चित्रकार, पद्मश्री (1984)

सवाई माधोपुर ज़िले के बाड़ौली गाँव में 1905 में जन्मे रामगोपाल विजयवर्गीय ने जयपुर के महाराजा स्कूल ऑफ़ आर्ट्स में असित कुमार हालदार से कला सीखी और आगे बंगाल शैली को आत्मसात किया। भारतीय मिथकों व साहित्य से प्रेरित उनकी कोमल, काव्यात्मक चित्रकारी 'मॉडर्न रिव्यू' व 'धर्मयुग' जैसी पत्रिकाओं में छपी। उन्होंने 1928 में पहली एकल प्रदर्शनी की, वर्षों तक राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट के प्राचार्य रहे और राजस्थान ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष बने। 1984 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उनका जीवन दिखाता है कि राजस्थान की धरती से भी विशुद्ध चित्रकला को समर्पित होकर देशव्यापी सम्मान पाया जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Ram_Gopal_Vijayvargiya

Anjolie Ela Menon
भारत की अग्रणी समकालीन चित्रकार, पद्मश्री (2000)

अंजोली एला मेनन भारत की सबसे प्रतिष्ठित समकालीन चित्रकारों में से एक हैं, जो मैसोनाइट पर तेल-रंग की पारदर्शी परतों वाली अपनी विशिष्ट शैली के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने मुंबई के सर जे.जे. स्कूल ऑफ़ आर्ट में पढ़ाई की, दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेज़ी साहित्य किया और फ्रांसीसी सरकार की छात्रवृत्ति पर पेरिस के एकोल दे बोज़-आर्ट में अध्ययन किया। धार्मिक विषय, चित्र (पोर्ट्रेट) और आकृति-चित्रण उनकी पहचान हैं; उनकी कृतियाँ एनजीएमए व सैन फ्रांसिस्को के एशियन आर्ट म्यूज़ियम जैसे संग्रहों में हैं। उन्होंने 35 से अधिक एकल प्रदर्शनियाँ कीं और 2000 में पद्मश्री तथा 2018 में कालिदास सम्मान पाया। उनका सफ़र लड़कियों को दिखाता है कि चित्रकला में अपनी मौलिक आवाज़ से विश्व-स्तर तक पहुँचा जा सकता है।

Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Anjolie_Ela_Menon

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- मूर्तिकार
- कैलीग्राफर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – कलाकार (Artist) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%95%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0artist/

2. राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट, जयपुर — https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcrsajaipur

3. ललित कला अकादमी स्कॉलरशिप (संस्कृति मंत्रालय) — https://lalitkala.gov.in/scholarship

4. सैलरीएक्सपर्ट – पेंटर-आर्टिस्ट सैलरी इंडिया — https://www.salaryexpert.com/salary/job/painter-artist/india

5. बीएफए फीस – राजस्थान स्कूल ऑफ़ आर्ट (Shiksha) — https://www.shiksha.com/college/rajasthan-school-of-art-jaipur-111387/courses/bfa-bc

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in